राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 15 | जौनपुर | गुरुवार, 28 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

गूगल मैप ने पहुंचाया बंद पुलिया पर, वैन नदी में गिरी

चित्तौड़गढ़, (एजेंसी)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहाँ गूगल मैप के भरोसे एक परिवार की वैन बंद पुलिया पर पहुँच गई और बनास नदी में गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जबकि एक महिला अभी भी लापता है। यह घटना राशमी थाना क्षेत्र के सोमी–उपेरड़ा पुलिया पर देर रात करीब 1 बजे हुई। चित्तौड़गढ़ के कानाखेड़ा गाँव का एक परिवार भीलवाड़ा में सवाई भोज मंदिर से दर्शन कर लौट रहा था। रास्ते में वे भटक गए और गूगल मैप की लोकेशन ने उन्हें तीन साल से बंद इस पुलिया पर पहुँचा दिया। पुलिस के अनुसार, मातृकुंडिया डैम के गेट खोले जाने के कारण नदी उफान पर थी और पानी पुलिया के ऊपर से बह रहा था। ड्राइवर ने पानी के बीच से निकलने की कोशिश की, लेकिन वैन फँस गई और कुछ ही मिनटों में नदी के तेज बहाव में बहकर नीचे गिर गई। हादसे के समय वैन में 9 लोग सवार थे। इनमें से 5 लोग किसी तरह वैन की छत पर चढ़कर अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। उन्होंने अपने परिजनों को घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुँची। थानाधिकारी देवेंद्र देवल ने बताया कि हादसे में 4 साल की बच्ची खुशी, उसकी माँ ममता (25), और चंदा (21) की मौत हो गई। उनकी बॉडी को नदी से निकाला गया। वहीं, रूत्वी (6) की तलाश अभी भी जारी है। वैन पर फँसे हुए 5 लोगों को मछुआरों की मदद से सुरक्षित निकाला गया।

शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम में संघ प्रमुख का बड़ा बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने (शताब्दी वर्ष) पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ की सार्थकता भारत के विश्व गुरु बनने में है। भारत को दुनिया में योगदान देना है और अब वो समय आ गया है। दिल्ली में आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में भागवत ने कहा कि श्किसी को बदलने की जरूरत नहीं है। मै आज आपसे संघ के बारे चर्चा करूंगा। भारत है इसलिए संघ है। हमारे लिए देश सर्वोपरि है। इस लिए हम भारत मां की जय कहते हैं। संघ को पर्सेप्शन के आधार पर नहीं फैक्ट्स के आधार जानना चाहिए। संघ के बारे में बहुत सारी चर्चाएं चलती हैं। ध्यान में आया कि जानकारी कम है, जो जानकारी है, वह ऑथेंटिक कम है। इसलिए अपनी तरफ से संघ की सत्य और सही जानकारी देना चाहिए। संघ पर जो भी चर्चा हो, वह परसेप्शन पर नहीं बल्कि फैक्ट्स पर हो। संघ प्रमुख ने कहा, श्एक साथ चलने की परंपरा जिनकी है वो हिंदू हैं, संघ का जब गठन हुआ तब तय हुआ कि समस्त हिंदी समाज को संगठित करना है। इसी के साथ ही सवाल खड़ा होता है कि बाकियों को क्यों छोड़ दिया।

20 साल से बीमार मानसिकता के लोगों ने यूपी को बीमारू राज्य बना दिया : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। लखनऊ के लोकभवन सभागार में नवचयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और प्रदेश के युवाओं के सपनों को मंच देना सरकार का काम होता है पर जब युवाओं से जाति–धर्म के आधार पर भेदभाव किया जाता है तो क्षति सिर्फ युवाओं की ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का होता है। प्रदेश में 20 वर्षों से यही होता था जब नियुक्ति का मौका आता था तो बंदरबांट होती थी। प्रदेश बीमारू राज्य नहीं था बल्कि राज्य का नेतृत्व करने वाले बीमार मानसिकता के थे पर अब

पूरी शुचिता के साथ नियुक्ति की जा रही है। जब चयन प्रक्रिया पारदर्शी और शुचितापूर्ण होती है तो आजमगढ़, शामली और अलग–अलग जिलों की बेटियों का चयन किया जाता है। अभी हमने देखा कि थारू जनजाति की एक बेटियों को अवसर मिला जो कि दिखाता है कि चयन की प्रक्रिया शुचितापूर्ण है। अब जिले और जाति को देखकर नियुक्ति नहीं दी जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि जब आप ईमानदारी से काम करेंगे और कठिन परिश्रम करेंगे तो सफलता जरूर मिलती है। ऐसे में अभ्यर्थियों की जिम्मेदारी है कि वो भी बिना किसी भेदभाव के काम करें और अपने कर्तव्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएं। मुख्यमंत्री योगी ने इस मौके पर विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 20 साल से यूपी को बीमारू राज्य बना दिया था वो अब भी नकारात्मक मुद्दे उठा रहे हैं। हम जर्जर विद्यालयों को ठीक करने का और पेयरिंग करने का काम कर रहे हैं और जो बेहतर विद्यालय हैं।

भविष्य के युद्ध तकनीक और कूटनीति का मिश्रण होंगे – रक्षा राजनाथ सिंह

इंदौर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के महू में स्थित आर्मी वार कॉलेज में युद्ध, युद्धकला और युद्ध संचालन पर दो दिवसीय विशेष रण संवाद–2025 त्रि–सेवा सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने युद्ध के बदलते पैटर्न पर बात की और बताया कि भविष्य के युद्ध तकनीक और कूटनीति का मिश्रण होंगे। आर्मी वॉर कॉलेज, महू में आयोजित रण संवाद त्रि–सेवा सेमिनार कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के शीर्ष नेतृत्व के साथ–साथ प्रसिद्ध रक्षा विशेषज्ञ, रक्षा उद्योग के प्रमुख और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पेशेवर शामिल हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के युद्ध केवल हथियारों की लड़ाई नहीं होंगे, बल्कि तकनीक, खुफिया जानकारी, अर्थव्यवस्था और कूटनीति का

मिला–जुला रूप होंगे। उन्होंने बताया, आज का युग जटिल और बहु–क्षेत्रीय युद्धों से परिभाषित है, जहां युद्ध की कोई निश्चित व्यवस्था या कठोर सिद्धांत नहीं है। यह अपनी तरह का पहला सेमिनार है, जिसमें युद्ध और युद्ध कौशल पर तकनीक के प्रभाव पर चर्चा हो रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत कभी युद्ध की शुरुआत करने वाला देश नहीं रहा और न ही उसने किसी के खिलाफ आक्रामकता दिखाई है। हालांकि, वर्तमान भू–राजनीतिक परिस्थितियों में अगर कोई भारत को चुनौती देता है, तो देश को सख्त जवाब देना जरूरी हो जाता है। हमारी मंशा शांतिपूर्ण है, लेकिन हमारी ताकत कमजोर नहीं। रक्षा मंत्री ने तकनीकी प्रगति और रणनीतिक कूटनीति के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने सशस्त्र बलों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने की बात कही।

ऑपरेशन महादेव में शामिल जवानों को सम्मानित किया – अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन महादेव में शामिल जवानों को सम्मानित किया। संयुक्त ऑपरेशन महादेव में भारतीय सेना, सीआरपीएफ और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने

पहलगाम आतंकी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराया था। इस दौरान शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंकी सरगनाओं को भारतीय नागरिकों की जान से खेलने के दुष्परिणामों का स्पष्ट संदेश दिया। हमारे सैनिकों ने दुनिया को दिखा दिया कि आतंकवादी चाहे कोई भी रणनीति अपनाएं, वे अब भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते। ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में संतुष्टि आई, जिसे ऑपरेशन महादेव ने आत्मविश्वास में बदल दिया। शाह ने यह बात भारतीय सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों को सम्मानित करते हुए कही, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। इसके जवाब में सशस्त्र बलों ने मई में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी कार्रवाई की गई थी। ऐसे ही ऑपरेशन महादेव के जरिए सुरक्षा बलों ने जुलाई में पहलगाम नरसंहार में शामिल आतंकवादियों का सफाया कर दिया था। शाह ने कहा, श्ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को भारतीय नागरिकों की जान से खेलने के परिणामों के बारे में एक स्पष्ट संदेश दिया है।श गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवादी चाहे कितनी भी रणनीति अपनाएं, वे अब भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते।

भारत को मेजबानी पर बेहद खुशी है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गोवा 30 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच फिडे विश्व कप की मेजबानी करेगा। शतरंज की वैश्विक नियामक संस्था ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। पीएम नरेंद्र मोदी ने खुशी जाहिर करते हुए उम्मीद जताई है कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, भारत को प्रतिष्ठित फिडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी करने पर बेहद खुशी है, और वह भी दो दशकों से ज्यादा समय के बाद। शतरंज हमारे युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। मुझे यकीन है कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और दुनियाभर के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

शुरुआत में नई दिल्ली को मेजबान स्थल माना जा रहा था, लेकिन लॉजिस्टिक संबंधी चिंताओं के कारण फैसला बदला गया और आखिरकार फिडे ने गोवा को आयोजन स्थल के रूप में चुना। कुल 206 प्रतिभागी गोवा में आठ राउंड के नॉकआउट मुकाबलों में भिड़ते हुए दो मिलियन अमेरिकी डॉलर की प्राइज मनी जीतने की कोशिश करेंगे। यह टूर्नामेंट विन–ऑर–गो–होम फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसने लंबे समय से वर्ल्ड कप को खेल जगत का सबसे रोमांचक आयोजन बना दिया है। शीर्ष 50 वरीय खिलाड़ियों को पहले दौर से छूट मिलेगी, जबकि शेष खिलाड़ी अपने अभियान की शुरुआत राउंड 1 से करेंगे। प्रत्येक मुकाबला दो क्लासिकल गेम्स पर आधारित होगा। अगर नतीजा नहीं निकलता, तो टाई–ब्रेकर के लिए रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे। पुरस्कार राशि और खिताबों के अलावा, विश्व कप में बहुत कुछ दांव पर लगा है। शीर्ष तीन खिलाड़ी 2026 के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगे, जो विश्व चौंपियनशिप के ताज के लिए दावेदार का निर्धारण करता है। भारत ने इस टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण साल 2002 में हैदराबाद में आयोजित किया था। विश्वनाथन आनंद ने वर्ष 2000 और 2002 में विश्व कप के शुरुआती दो संस्करण जीते थे। वहीं, 2023 में बाकू (अजरबैजान) में खेले गए विश्व कप में भारत के आर. प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर रहे,।

मोदी का बनाया मेगा भारत के लिए महा सिरदर्द बन गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका की ओर भारत पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) बुधवार से लागू हो गए। इसके बाद कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तंज कसा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल की शुरुआत में अपनी जीत की श्मेगाश फॉर्मूला बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था– लेकिन कांग्रेस ने कहा कि अब यह मोदी–निर्मित मेगा भारत के लिए एक श्महा सिरदर्दश बन गया है। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिका की ओर से लगाया गया ट्रंप डबल टैरिफ अब लागू हो चुका है। इसका सीधा असर भारत के कपड़ा, हीरे–जेवरात, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग सामान श्रम–प्रधान निर्यात पर पड़ेगा। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 24 घंटे

पहले अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने एच1बी वीजा प्रणाली के खिलाफ भी बयान दिया है, जिसका अब तक सबसे ज्यादा लाभ भारतीय आईटी पेशेवरों को ही मिला है। उन्होंने आगे कहा, यही एच1बी वीजा प्रणाली उस मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) विचारधारा की मांग रही है, जिसका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समर्थन करते हैं। इसी मागा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल फरवरी में किया था, जब उन्होंने मागा. मिगा = मेगा फॉर्मूला दिया था। अब वही मोदी–निर्मिता मेगा भारत के लिए एक महा सिरदर्द बन गया है। अमेरिकी की ओर से दोगुना टैरिफ लगने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि मोदी के प्रिय मित्र के इस कदम से केवल 10 क्षेत्रों में ही भारत को अनुमानित 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। एक्स पर खरगे ने कहा कि मोदी सरकार ने इस असर को कम करने और किसानों की आजीविका की रक्षा करने के लिए कुछ भी नहीं किया है। उन्होंने लिखा, आपके प्रिय मित्र अबकी बार, ट्रंप सरकार ने भारत पर 50: टैरिफ (शुल्क) लगा दिया है, जो आज से लागू हो गया है। इससे सिर्फ 10 क्षेत्रों में ही 2.17 लाख करोड़ रुपये का पहला झटका लगेगा। हमारे किसान, खासकर कपास उत्पादक किसान, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आपने कहा था कि आप उनकी रक्षा के लिए श्कोई भी व्यक्तिगत कीमत चुकाने को तैयारश हैं, लेकिन आपने इस झटके को कम करने और उनकी आजीविका की रक्षा के लिए कुछ भी नहीं किया।

राहुल गांधी ने गुजरात की गुमनाम पार्टियों के 4300 करोड़ चंदे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर हमला बोला है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। राहुल गांधी ने जिस मीडिया रिपोर्ट को साझा किया है, उसमें दावा किया गया है कि गुजरात में कुछ अनाम दलों को 2019–20 और 2023–24 के बीच 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। राहुल गांधी ने आयोग पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा या हलफनामा मांगेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इसमें दावा किया गया है कि इन दलों ने तीन

चुनावों 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव तथा 2022 के विधानसभा चुनाव में कुल 43 उम्मीदवार उतारे थे, जिन्हें मिलकर सिर्फ 54,069 वोट मिले। वहीं, इनकी चुनाव रिपोर्ट में इन पार्टियों का खर्च 39.02 लाख रुपये दर्ज है, जबकि ऑडिट रिपोर्ट में 3,500 करोड़ रुपये के खर्च का हिसाब दिखाया गया है। एक्स पर हिंदी में लिखे पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि गुजरात में कुछ गुमनाम पार्टियां हैं जिनके नाम किसी ने नहीं सुने हैं, लेकिन उन्हें 4,300 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि इन पार्टियों ने बहुत कम मौकों पर चुनाव लड़ा है या उन पर पैसा खर्च किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आगे चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए पूछा कि ये हजारों करोड़ रुपये कहां से आए? इन्हें कौन चला रहा है? यह पैसा कहां गया? क्या चुनाव आयोग इसकी जांच करेगा या यहां भी हलफनामा मांगेगा? या फिर वह कानून ही बदल देगा, ताकि यह डेटा भी छिपाया जा सके। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने हाल ही में मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया था।

भारत–श्रीलंका के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध सदियों पुराने – अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को संसद भवन में श्रीलंका से आए संसदीय प्रतिनिधिमंडल को संबोधित किया। अनुराग ने भारतीय राजनीति में संसद की भूमिका, भारतीय लोकतंत्र व संविधान, चुनावी प्रक्रिया, संसदीय

समितियों को लेकर श्रीलंकाई सांसदों के प्रश्नों का उत्तर दिया व भारत में लोकतंत्र व संविधान की गहनता व विशालता पर अपने विचार रखे। उन्होंने इस बैठक के दौरान श्रीलंका से आए सभी सांसदों का पारंपरिक हिमाचली रीति से टोपी पहना कर उनका स्वागत किया व सभी सांसदों को भविष्य में देवभूमि आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत भारत व श्रीलंका के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध सदियों पुराने हैं। भारत और श्रीलंका दो राष्ट्र नहीं बल्कि दो भाई हैं जिनकी विरासत समान है और जो प्राचीन काल से सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता होने के नाते, हमें इस बात पर गर्व है।

विवाद समाधान में वैश्विक मानक स्थापित कर सकते हैं भारत और सिंगापुर, अर्जुन राम मेघवाल का बयान

सिंगापुर, (एजेंसी)। भारत और सिंगापुर निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी विवाद समाधान में वैश्विक मानक स्थापित कर सकते हैं। यह बात कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कही। भारतीय मध्यस्थता परिषद (आईसीए) की एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मेघवाल ने कहा, भारत के मध्यस्थता कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार और भारत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र की स्थापना एक विश्व स्तरीय समाधान प्रणाली बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। संगोष्ठी का विषय श्भारत–सिंगापुर गलियारे में वैकल्पिक विवाद समाधान (एघ्डीआर) के माध्यम से बाजारों को जोड़ना और विवादों को सुलझानाश रखा गया था। इसमें करीब 150 प्रतिनिधि मौजूद थे। उन्होंने बताया कि इन पहलों के चलते भारत में मध्यस्थता की प्रक्रिया अब पहले से तेज, अधिक प्रभावी और अधिक भरोसेमंद हो गई है। उन्होंने आगे कहा, भारत और सिंगापुर दो मजबूत लोकतांत्रिक और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों मिलकर निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रभावी विवाद समाधान में वैश्विक मानक बना सकते हैं। इससे हमारे साझा

प्रतिबद्धता को स्थिरता और सतत विकास को और बल मिलेगा। मेघवाल तीन दिवसीय सिंगापुर पर हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रगति अनुबंधों को लागू करने की प्रक्रिया को मजबूत बनाएगी और सभी निवेशकों के बीच विश्वास को बढ़ावा देगी। आईसीए ने कहा कि यह संगोष्ठी भारत–सिंगापुर के कानूनी और आर्थिक सहयोग को और गहरा करने का एक उपयुक्त और रणनीतिक अवसर है। दोनों देशों के बीच वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) के क्षेत्र में सहयोग न केवल परस्पर लाभकारी है, बल्कि यह वैश्विक कानूनी और आर्थिक चर्चाओं में एशिया की आवाज को आगे बढ़ाने के लिए भी बेहद अहम है। मंत्री मेघवाल बुधवार को एक उच्च स्तरीय कानूनी विशेषज्ञों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सिंगापुर पहुंचे, जिसमें आईसीए के अध्यक्ष एन. जी. खैतान और आईसीए के महानिदेशक अरुण चावला भी शामिल हैं।

संपादकीय

प्रकृति का रौद्र

जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो कितना घातक व विनाशकारी हो जाता है, इस बार की मूसलाधार मानसूनी बारिश ने हमें बता दिया है। लोग अब पानी के आवेग को देखकर डरने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर व पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने हर किसी को भयभीत किया है। हालात ने बताया है कि हमेशा शांत रहने वाले पहाड़ भी कितना रौद्र रूप दिखा सकते हैं। इस अतिवृष्टि से सड़कों, पुलों व स्थायी संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में खड़ी फसलें तबाह हो गई हैं। जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से कुछ श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गई हैं। पुल बहने व सड़कें तबाह होने से जन–जीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि कैसे हुई है। क्या कुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वार्मिंग संकट की देन है? दरअसल, हमारे नीति–नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी–अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुई हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। राज्य ने इस स्थिति से निपटने के लिये एक 'व्यापक भावी कार्य योजना' तैयार करने के लिये कम से कम छह माह का वक्त मांगा है। विडंबना यह है कि प्राकृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खमियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोई रोल नहीं होता। निस्संदेह, प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति वनों की कटाई, अनियमित विकास तथा जलवायु परिवर्तन के कारकों की वजह से तेज हुई है। वास्तव में मौजूदा स्थितियों में जो कुछ करने की जरूरत है, वो किसी भी तरह कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इस संकट के मुकाबले के लिये वैज्ञानिक व प्रशासनिक व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले विशेषज्ञों को शामिल करने की जरूरत है। उनकी राय और सलाह नीति–निर्माताओं का मार्गदर्शन करेगी। सरकारों को राजनीतिक और व्यावसायिक हितों को दरकिनार करते हुए, पर्यावरण संवर्धन के लिये काम करना चाहिए। हिमाचल सरकार की पहल सराहनीय है, जिसमें संकट को बढ़ाने वाली खामियों की पहचान करने हेतु अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों और सामुदायिक प्रतिनिधियों का एक कोर ग्रुप बनाने में उत्सुकता दिखायी गई है। वहीं दूसरी ओर जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जोखिमों को कम करने के उपायों पर विचार–विमर्श करने हेतु विशेषज्ञों से परामर्श का आह्वान किया है। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि कोर ग्रुप या समितियों की सिफारिशों को गंभीरता से लागू किया जाना चाहिए। अन्यथा पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। हमें अतीत के अनुभवों से सबक लेने की भी जरूरत है।

भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जन आंदोलन जरूरी

मानोज

राजनीति में शुचिता की बात अवश्य करेंगे राजनेता, पर उनकी करनी इसके विपरीत ही होगी। इसलिए, यह दायित्व जागरूक नागरिक का बनता है कि वह आपराधिक पृष्ठभूमि वाले राजनेताओं के खिलाफ एक सतत मुहिम चलाये। लब्धप्रतिष्ठ रूसी साहित्यकार सोलजेनित्सिन ने कहीं लिखा था, 'हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं, वे जानते हैं कि हम जानते हैं कि वे झूठ बोल रहे हैं... लेकिन वे फिर भी झूठ बोलते रहते हैं'– इस वाक्य में 'वे' की जगह हमारे राजनेता लिख दिया जाये और 'हम' की जगह भारत की जनता तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आये दिन हम अपने नेताओं के झूठ सुनते रहते हैं और ऐसा हर झूठ बोलकर हमारे नेता यह समझते हैं कि उन्होंने हमें यानी देश के मतदाताओं को मूर्ख बना लिया है। इसका ताजा उदाहरण है संसद के मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन के पटल पर रखा गया संविधान संशोधन विधेयक। तीखी बहस और हंगामे के बीच यह विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जा चुका है। समिति कब और क्या सिफारिश देगी यह तो भविष्य के गर्भ में है, पर सिफारिश कुछ भी हो, संसद में वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह तय है कि बिना दो तिहाई बहुमत के ऐसा कोई संशोधन लागू नहीं हो सकता। तो फिर यह विधेयक सदन में क्यों रखा गया है? इसका एक स्पष्ट उत्तर तो यही है कि देश में निकट भविष्य में होने वाले चुनावों को देखते हुए सत्तारूढ़ पक्ष महत्वपूर्ण, और उसके लिए परेशान करने वाले, मुद्दों से मतदाता का ध्यान बंटा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं की प्रस्तावित संशोधन आकर्षक भी है और महत्वपूर्ण भी। इसके अनुसार केंद्र में प्रधानमंत्री और मंत्रियों समेत राज्यों के मुख्यमंत्रियों–मंत्रियों को यदि किसी ऐसे आरोप में तीस दिन से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ता है तो उन्हें पद से त्यागपत्र देना होगा, अन्यथा उन्हें पद से हटा दिया जायेगा। आकर्षक लगता है यह प्रस्ताव। एक हद तक जरूरी भी। कौन नहीं स्वीकारेगा कि भ्रष्टाचारियों को मंत्री–पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। और यह भी एक हकीकत है कि हमारे देश में ऐसे राजनेताओं की कोई कमी नहीं है जिन पर भ्रष्टाचार और अन्य आपराधिक मामलों के आरोप हैं। ऐसे में, संविधान में संशोधन का जो विधेयक सरकार ने पटल पर रखा है उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन सवाल उठता है कि आरोप लगना मात्र ही किसी को कथित अपराध की सजा देने का आधार कैसे बन सकता है? कोई भी आरोपी तब तक सजा का पात्र नहीं होता जब तक अपराध प्रमाणित नहीं हो जाता, आरोप भले ही कितना ही गंभीर क्यों न हो, जब तक प्रमाणित नहीं हो जाता, अपराध नहीं कहलाता। तो फिर सजा कैसे दी जा सकती है? लेकिन यहीं यह सवाल भी उठता है यदि आरोपों के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती तो क्या मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को यह अवसर और अधिकार मिलना चाहिए कि वे जेल में बैठकर भी सरकार चलाते रहें? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का उदाहरण हमारे सामने है, महीनों तक वे जेल में रहेदृ और जेल से ही सरकार चलाने की बातें भी कहते रहे! तो फिर क्या किया जाये? जितना आसान लगता है यह प्रश्न, उत्तर उतना ही कठिन लगता है। प्रस्ताव में स्पष्ट कहा गया है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री किसी ऐसे आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर लगातार तीस दिन तक हिरासत में रहता है, जिसके लिए पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान है, तो वह पद पर नहीं बना रह सकता। लेकिन तब क्या होगा यदि न्यायालय उसे निरपराध घोषित कर देता है? विधेयक के समर्थक उत्तर में पुनर्नियुक्ति का प्रावधान होने का तर्क रखते हैं! वे कहते हैं विधेयक शासन को संदेह से मुक्त रखने की प्रारंभिक प्राथमिकता ही तय करता है। लेकिन इस सवाल का क्या जवाब है कि इकत्तीसवें दिन स्वतरू ही सजा मिल जाने को कानून का शासन कैसे कहा जा सकता है? यह सब देखते हुए ही इस तरह का संशय किया जा रहा है कि यह कार्रवाई गंभीर मुद्दों से ध्यान बांटने और चुनावी हितों को ध्यान में रख कर की गयी है। बहरहाल, मामला गंभीर है। भ्रष्ट राजनीति और भ्रष्ट राजनेताओं से मुक्ति का कोई उपाय तो खोजना ही होगा। हमारे यहां राजनीति का जो अपराधीकरण हुआ है उसे अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। एक जमाने में राजनेता आपराधिक वर्गों का सहयोग लिया करते थे, अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए। फिर सहयोग देने वालों को लगा, वे किसी को चुनाव जीतने में मदद कर सकते हैं तो स्वयं राजनीति में क्यों नहीं उतर सकते? इस सोच का नतीजा सामने है। चुनाव अधिकार संस्था (ए.डी.आर) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश के तीस मुख्यमंत्रियों में से 40 प्रतिशत ने पिछले चुनाव नामांकन– पत्र में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर सर्वाधिक 89 आपराधिक मामले दर्ज हैं। आंध्र–प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 19 मामलों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैय्या पर 13 मामले चल रहे हैं। इसी तरह झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर 5, महाराष्ट्र के फड़नवीस पर चार, हिमाचल के मुख्यमंत्री पर चार और केरल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री पर भी क्रमशरू दो और एक मामले दर्ज हैं। मामले दर्ज होने का मतलब यह नहीं है कि आरोपी अपराधी ही है। हमारी न्याय–व्यवस्था यह मानती है कि भले ही दस अपराधी छूट जाएं पर एक भी निरपराध को सजा नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन सवाल है, यदि एक भी आरोप सही है तो व्यक्ति को शासन करने का अधिकार या अवसर क्यों मिले? किसी भी सभ्य और उत्तरदायी समाज में राजनीति का अपराधीकरण चिंता और शर्म की बात होनी चाहिए। राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की बढ़ती भागीदारी पर चिंता तो अक्सर व्यक्त की जाती है, पर इसे रोकने की कोई ईमानदार कोशिश कोई नहीं करता। सवाल नीति का नहीं, नीयत का है। इसी नीयत का परिणाम है कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग भी राजनीतिक दलों के लिए चुनावी विवशता बन जाते हैं। सवाल इस नीयत को बदलने का है। यह काम ठोस और ईमानदार कार्रवाई की मांग करता है, और हमारी राजनीति में इसका नितांत अभाव है। हमारी राजनीति के कर्ता–धर्ताओं से पूछा जाना चाहिए कि कल तक जिसे वे अपराधी घोषित करते थे, दल–बदल करते ही वह व्यक्ति ईमानदार कैसे हो जाता है? राजनेताओं की इसी करनी का परिणाम है कि राजनीति को शुद्ध करने की कोशिशों पर जनता को विश्वास नहीं होता।

पानी में मिले फीकल कोलिफार्म एवं अर्सेनिक से मानव जीवन को खतरा

(प्रो०फे० जी०सी० पाण्डेय

(अवकाश प्राप्त) उ०प्र० सरकार द्वारा सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद)

उ०प्र० में गंगा में जगह–जगह सीवेज की गंदगी गिरने के कारण नदी के पानी की गुणवत्ता बेहद खराब हो रही है। CPCB के एक रिपोर्टानुसार कहा गया है कि उ०प्र० में 41 स्थानों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि फीकल कोलीफार्म बैक्टीरियों, 16 स्थानों पर 500 / 100 मि०ली० की सबसे सम्भावित सं० से अधिक है। इसके अलावा 17 स्थानों पर 2500 MPN/100 मि०ली० से अधिक है। CPCB के अनुसार फीकल (मल) कोलीफार्म एक तरह का बैक्टीरिया है जो भोजन की गुणवत्ता को खराब करता हैं तथा मनुष्यों के साथ–साथ जानवरों की भी बिमारी का कारण बनता है। मिनिमम 0.0 / 100ML होना चाहिए, जबकि प्रदूषित पानी में इससे ज्यादा नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल (एन०जी०टी०) ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि गंगा में सीवेज छोड़े जाने के कारण जल की गुणवत्ता खराब हो रही है साथ ही, उन्होंनें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी सयंत्र निर्दिष्ट मानदण्डों का आवश्यक पालन करें। पानी में बढ़ती आर्सेनिक की मात्रा इस बात का द्योतक है कि

गंगा एवं उसकी सहायक नदियों की स्वच्छता के लिए किये गये प्रयास पानी में जहरीले तत्त्यों को रोकने में विफल रहे है। अरबो लीटर पानी गंगा / अन्य नदियों में प्रत्येक दिन उडेले जा रहे हैं। अगर इसको रोकने का ठोस उपाय नहीं होगा तो निर्धारित मानकों से अधिक आर्सेनिक पानी में घुलता रहेगा जिससे कैन्सर जैसी घातक बीमारियों से बचना मुश्किल होगा। पीने के पानी में गिनिगम 0.01 मि०ग्रा० ली० होना चाहिए। घर में लगे आरोप कुछ हद तक आर्सेनिक युक्त पानी को ठीक कर सकता है, लेकिन कितनों के पास आर०ओ० की सुविधा है। प्राकृतिक रूप से आर्सेनिक मिट्टी एवं चट्टानों में पाया जाता है, जो भूजल में प्रवेश करता है। खनिजों व अयस्कों के विघटन के जरिये भी पानी के विषाक्त तत्व प्रवेश करती हैं। लेकिन विशाक्त तत्वों की मात्रा तभी बढ़ती है, जब धरती के पेट में जहरीले रसायन प्रवेश करते हैं। वैज्ञानिकों ने भोजन और भू–जल के माध्यम से आर्सेनिक की बीच सम्बन्ध पाया है जिसका सम्बन्ध कीटनाशकों की उपयोग से भी हैं। जीवन शैली में प्रदूषणकारी तत्वों का जिस तरह से प्रयोग किया जा रहा हैं उससे आर्सेनिक की मात्रा बढ़ना सम्भव है। पहले गंगा जल लंबे समय तक घर में रखने के बाद भी प्रदूषित नहीं होता था लेकिन आज पानी में आर्सेनिक की मात्रा काफी बढ़ चुकी है। गंगा के किनारे बसे हुए गाँवों के लोगों में त्वचा रोग, लिवर, दिल की बीमारियों, न्यूरो सम्बन्धी विकार, तनाव एवं गाल ब्लेडर कैन्सर के मामले बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। हर साल में होने वाली मृत्यु दर में 33 प्रतिशत का इंजाफा विभिन्न अंगों में कैन्सर से हो रहा है। इनरवाइस फाउण्डेशन के अनुसार 2020 तक 10 लाख से अधिक लोगों की मौत आर्सेनिक वाली, पानी पीने से हुई। आर्सेनिक, औद्योगिक प्रदूषण, खनन से पैदा होता हैं। भारत के अलावा, बंग्लादेश, नेपाल, तिब्बत के कुछ भागों में भी लोग आर्सेनिक के जहर से प्रभावित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि मानकों से 300 गुना अधिक आर्सेनिक पानी में बढ़ गया है। बिहार के अलावा, उ०प्र० पश्चिम बंगाल के अनेक स्थानों जहाँ आर्सेनिक पानी युक्त पानी, पीने के अलावा कोई विकल्प नहीं हैं। विशेषज्ञ मानते है कि आर्सेनिक तंत्रिका तंत्र एवं प्रजनन तंत्र को प्रभावित करता है। जब शरीर के सिस्टम आर्सेनिक जहर को बाहर निकालने की कोशिश करता है तो उनके अन्य आन्तरिक अंग भी बुरी तरह प्रभावित होता है। आजकल, सभ्य समाज, अपने चारों तरफ इतना अधिक प्रदूषण पैदा कर दिया है कि अंधाधुंध औद्योगिक अपशिष्टों के माध्यम से भू–जल में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ा दी है। ऐसे प्रदूषित जल भोजन बनाने में होने से खाद्य पदार्थों में भी आर्सेनिक की विषाक्ता बढ़ा दी है। फसलों की सिचाई प्रदूषित पानी एवं छिड़कने जाने वाले कीटनाशकों के उपयोग से, भोजन के माध्यम से मनुष्य के शरीर तक पहुँच रहे हैं। इसके अलावा भोजन के माध्यमों से वेज, नानवेज, फलों के रस से आर्सेनिक की काफी मात्रा मिल रही हैं जिससे मानव जीवन खतरे में पड गया है आने वाले दिनों अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं CPCB के मानकों को माना नहीं गया तो भविष्य अंधकार मय होगा, जिससे स्वास्थ्य के सन्दर्भ में देश की प्रगति में अवरोध उत्पन्न होगी।

.... विविध ....

वजन घटाने की सार्थक पहल चरणबद्ध फिटनेस रूल से

21–21–21 नियम के तहत 63 दिनों की वेट मैनेजमेंट की फिटनेस योजना डिजाइन की गई है। मकसद है कि इतनी कम अवधि में तीन चरणों के भीतर मूवमेंट, सटीक भोजन और अपनी भावनात्मक निर्भरता पर काबू पाकर ऐसी स्थायी आदतें विकसित की जाएं, जिसमें वजन कम हो जाए। पहले 21 दिन स्ट्रेचिंग, बुनियादी व्यायाम, अगले 21 दिन डाइट पर फोकस व लास्ट के 21 दिन हानिकारक आदतों पर काबू पाते हैं। आजकल कई सेलिब्रिटीज ही नहीं, बल्कि बहुत से जिम में पसीना बहाने वाले और दूसरे लोग भी 21–21–21 के इस फिटनेस के नियम के आधार पर अपना वजन, कुल मिलाकर 63 दिनों में आश्चर्यजनक रूप से कम कर रहे हैं। वजन घटाने का यह एक ऐसा फार्मूला है, जिसमें नियमित और व्यवस्थित दिनचर्या से वजन में कमी आती है। जानिये क्या है यह 21–21–21 का फार्मूला, इसके नियम क्या हैं और वजन घटाने वालों के लिए वह कैसे एक बदलाव का जरिया बन सकता है?

21–21–21 नियम का मतलब

21–21–21 नियम के तहत 63 दिनों की एक फिटनेस योजना डिजाइन की गई है। मकसद है कि इतनी कम अवधि में तीन चरणों के भीतर मूवमेंट, सटीक भोजन और अपनी भावनात्मक निर्भरता पर काबू पाकर ऐसी स्थायी आदतें विकसित की जाएं, जिसमें वजन कम हो जाए।

पहले 21 दिन– गति पर ध्यान

पहले 21 दिन वो शुरुआती दिन हैं जब शरीर को हल्की–फुल्की स्ट्रेचिंग, बुनियादी व्यायाम और बहुत बेसिक स्कूल में किये जाने वाले पीटी व्यायाम की तर्ज पर लगातार इस योजना पर अमल जारी रखा जाता है। इसमें व्यायाम ज्यादा कठिन नहीं होता बल्कि लाइट एक्सरसाइज को लगातार जारी रखा जाता है। 21 दिनों तक पहले न तो डाइट पर कंट्रोल रखना होता है न ही डाइट में बदलाव की जरूरत होती है। आप सहजता से जो खा रहे हैं, वही खाएं।

अगले 21 दिन– डाइट में बदलाव

पहले 21 दिन जब शरीर को नॉर्मल स्ट्रेचिंग और एक्सरसाइज के द्वारा लगातार मूवमेंट के लिए तैयार किया जाता है, उसके बाद अगले 21 दिन डाइट पर फोकस किया जाता है। डाइट में कार्बोहाइड्रेट, कैलोरी या किसी और चीज को कम या ज्यादा करने पर नहीं बल्कि आहार जो हम नियमित ले रहे होते हैं, उसको पूरी तरह से बदलना होता है, जिसमें चाय में चीनी कम लेना, खाने के बाद कम मीठा खाना, रात के समय एसिडिटी पैदा करने वाली चीजें न लेना, दूध का सेवन सुबह के समय करना। गेहूं की बजाय ज्वार, बाजरा या जौं की रोटी का सेवन, आहार में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना ताकि पूरे दिन पेट भरा रहे। तले–भुने स्नैक्स की बजाय कम तेल से बने स्नैक्स, नट्स, फ्रूट, बाजार के पैक्ड जूस की बजाय घर पर बने ड्रिंक्स लें।

अंतिम चरण भावनात्मक निर्भरता पर काबू

अगले 21 दिन भावनात्मक ट्रिर्ग्स और खाने–पीने से जुड़ी बुरी आदतों– चाय, कॉफी ज्यादा पीना, शराब या सिगरेट पीना– इनसे दूर रहने के लिए कहा जाता है। यानी डिप्रेशन में आकर या बुरा मूड होने पर इन चीजों को अच्छा मूड बनाने के लिए इस्तेमाल न करना। क्योंकि ये सारी चीजें हमारे स्वास्थ्य को हानि पहुंचाती हैं। इस तरह के फार्मूले हमें धीरे–धीरे स्वस्थ खानपान की ओर ले जाते हैं और डेली वर्कआउट के जरिये 42 दिन पूरे होने पर ही अगर हमें अपना लक्ष्य पूरा होता दिखता है, तो अगले 21 दिन ज्यादा उत्साही होकर धीरे–धीरे 63वें दिन तक हम अपनी आदतें सुधार लेते हैं और आत्मनिर्भर बन जाते हैं।

ऐसे हासिल करें लक्ष्य

पहला चरण 1 से 21 दिन – इस प्राथमिक चरण में अपने दिन की शुरुआत प्रोटीनयुक्त नाश्ते से करें। अगर आप नाश्ता नहीं लेते तो इससे भी वजन बढ़ता है। नाश्ते में फल, सलाद व नट्स भी लिए जा सकते हैं। रोज सुबह उठकर 20 से 30 मिनट की सैर को अपने स्वस्थ लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाएं। अगर सुबह के समय ऐसा न हो पाए तो शाम की भी सैर उतना ही फायदा देती है। वहीं प्रतिदिन 6 से 7 घंटे की नींद लेना जरूरी है। वजन घटाने के लिए पहले 21 दिन इसी दिनचर्या पर अडिग रहें, धीरे–धीरे यह आदत बन जायेगी। पैदल चलने के अलावा सीढ़ियां चढ़ना भी एक अच्छा व्यायाम है। लिफ्ट में आने–जाने की बजाय सीढ़ियां चढ़कर पहुंचें, फायदा होगा। दूसरा चरण 22–42 दिन– यदि आप अकसर बाहर खाना खाते हैं तो इससे भी वजन बढ़ता है। घर का कम तेल में बना खाना वजन घटाने में सहायक होता है। पहले चरण में सप्ताह में एक बार या 15 दिन में एक बार, घर से बाहर का खाना खाया जा सकता है। यदि आप अकेले हैं और ज्यादा अच्छा खाना नहीं बना पाते, इसके बावजूद घर पर मोटे अनाजों से बनी खिचड़ियां, दाल–चावल, मिक्स्ड दाल चीला, सादा डोसा, पोहा, सेवईं, उपमा, मिक्स वेजिटेबल सलाद, पनीर सलाद जैसे ऑप्शन ट्राई कर सकते हैं। यदि आप चीट मील का आनंद लेना चाहते हैं तो ऐसे खाने को सप्ताह में एक बार रात की बजाय दिन के समय लें ताकि उससे मिलने वाली ज्यादा कैलोरीज को बर्न करना आसान हो।

तीसरा चरण 43–63 दिन – यदि आप अकसर ही ड्रिंक करते हैं तो इसकी मात्रा को सीमित करें। पहले सप्ताह में एक बार, फिर 15 दिन में एक बार या फिर महीने में एक बार ही पीएं। इसके अलावा मिठाई, आइसक्रीम और घर की बनी मीठी चीजों को खाने से परहेज बरतें। हां, महीने में एक बार मनपसंद मिठाई, आइसक्रीम या पूडिंग का आनंद लिया जा सकता है। वहीं बार–बार दूध वाली चाय, कॉफी लेने की बजाय लेमन टी, ग्रीन टी, ब्लैक टी का सेवन करें। यदि आपको मसाला चाय पसंद है, तो इसे भी बिना दूध व बिना चीनी के साथ लें। यदि दोनों के साथ लेना चाहते हैं तो कम दूध, कम चीनी वाली लें।

गणपति महोत्सव के साथ मोदक के भोग की मिठास

भगवान गणेश को मोदक अति प्रिय हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर घर–घर में बप्पा की स्थापना होती है व भक्तों द्वारा उन्हें विशेष तौर पर लड्डू का प्रसाद चढ़ाया जाता है। घर में अलग–अलग मेटीरियल से व शेप में लड्डू बनाए जाते हैं। मोदक में नारियल, चॉकलेट और आटे के अलावा मेवों व घी का इस्तेमाल होता है।

सुख, समृद्धि और ज्ञान के देवता भगवान श्रीगणेश के आगमन यानी गणेश चतुर्थी का हर भक्त पूरे साल इंतजार करता है। जो इस बार 27 अगस्त को है। मान्यता है कि 10 दिनों तक विघ्नहर्ता गणपति पृथ्वी पर रहकर अपने भक्तों के दुख दूर करते हैं। इन दिनों घर–घर में बप्पा की स्थापना होती है और उनके प्रिय भोग मोदक का विशेष महत्व रहता है। मान्यताओं के अनुसार गणेश जी को मोदक बेहद प्रिय है। इसी कारण भक्त तरह–तरह के मोदक बनाकर उन्हें भोग अर्पित करते हैं। जानिये आप अलग–अलग स्वादिष्ट मोदक किस तरह तैयार कर सकते हैं।

कोकोनट मोदक

क्या चाहिए – कोकोनट मिल्क पाउडर = कप, एक नेस्ले मिल्कमेड मिनी, कद्दूकस कोकोनट 2 कप, बीटरूट जूस 2 टेबल स्पून, रोज वाटर 1 टेबल स्पून, कटे हुए ड्रायफ्रूट्स 2 टेबलस्पून (काजू, बादाम, पिस्ता)।

कैसे बनाएं – नेस्ले मिल्कमेड, नारियल दूध पाउडर और कसा हुआ नारियल मोटे तले वाले सॉस पैन में मिलाएं। मिश्रण को लगातार चलाते हुए गरम करें। धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक मिश्रण पैन के किनारे न छोड़ दे। अब आंच से उतारकर ठंडा करें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग अलग रख दें। दूसरे भाग में चुकंदर का रस और गुलाब जल डालकर एक मिनट पकाएं। आंच से उतार लें। मोदक के सांचे में आधा नारियल मिश्रण और आधा गुलाब मिश्रण भरें। एक गड्ढा बनाएं और उसमें कटे मेवे डालें। उन्हें एक साथ दबाएं। सांचे से निकालकर सर्विंग डिश पर रखें। बाकी सांचों के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। गुलाब पंखुड़ियों से सजाएं व परोसें।

चॉकलेट मोदक

क्या चाहिए – कोको पाउडर 2 टेबलस्पून, कंडेंस्ड मिल्क) कप, पिघली हुई चॉकलेट (कप, घी 1 टेबलस्पून, वनीला एसेंस) टीस्पून, मावा) कप, पिसी चीनी 2 टेबलस्पून, कटे ड्रायफ्रूट्स 2 टेबलस्पून (काजू, बादाम, पिस्ता), इलायची पाउडर (टीस्पून।

कैसे बनाएं दृ पहले स्टफिंग तैयार करने के लिए एक पैन में थोड़ा सा घी गरम करें। मावा डालें और हल्का भूनें जब तक यह सुनहरा न हो जाए। बारीक पिसी चीनी, ड्रायफ्रूट्स और इलायची पाउडर डालें। सभी चीजों को मिलाएं और गैस बंद कर दें। मिश्रण को ठंडा होने दें। इसके बाद एक पैन में घी गरम करें। कंडेंस्ड मिल्क, मिल्क पाउडर और कोको पाउडर डालें। लगातार चलाते हुए मिक्स करें। चॉकलेट डालें और मिक्स करें। मिश्रण ठंडा होने दें। मोदक के सांचे को घी से ग्रीस करें। चॉकलेट मिश्रण लेकर सांचे में भरें और बीच में हल्का गड्ढा करें। मावा की स्टफिंग डालें और ऊपर से चॉकलेट का मिश्रण डालकर बंद कर दें। मोदक फ्रिज में रख दीजिये ताकि यह सेट हो जाएं।

चावल का मोदक

क्या चाहिए – चावल का आटा 2 कप, गुड़ 1 .5 कप, बारीक कद्दूकस कच्चे नारियल 2 कप, काजू 4 टेबल स्पून, किशमिश 2–3 टेबल स्पून, खसखस 1 टेबल स्पून। इलाइची 5 –6, घी 1 टेबल स्पून, नमक।

कैसे बनाएं दृ गुड़ के छोटे टुकड़े करके नारियल के साथ कढ़ाई में डालकर गरम करने को रखें। गुड़ पिघलने लगेगा चमचे से लगातार चला कर भूनें, जब तक गुड़ और नारियल का गाढ़ा मिश्रण न बन जाये। इस मिश्रण में काजू, किशमिश, खसखस और इलाइची मिला दें।

यह मोदक में भरने के लिये पिठ्ठी तैयार है। अब 2 कप पानी में 1छोटी चम्मच घी डाल कर गरम करना रखिये। पानी में उबाल आ जाये तो गैस बन्द कर दें और चावल का आटा और नमक पानी में डाल कर चमचे से मिला दीजिये। इस मिश्रण को 5 मिनट ढक कर रख दीजिये। अब चावल के आटे को बड़े बर्तन में निकाल कर हाथ से नरम आटा गूंथ कर तैयार कर लें। यदि आटा सख्त लग रहा हो तो 1 – 2 चम्मच पानी और डाल सकते हैं। घी हाथों में लगाकर आटे को मसलें, जब तक कि आटा नरम न हो जाय। इस आटे को साफ कपड़े से ढक कर रखें। हाथ को घी से चिकना करें और गूंथे हुये चावल के आटे से एक नीबू के बराबर आटा निकाल कर हथेली पर रखें, दूसरे हाथ के अंगूठे और उंगलियों से उसे किनारे पतला करते हुए बढ़ा लीजिये। उंगलियों से थोड़ा गड्ढा करें और इसमें 1 छोटी चम्मच पिठ्ठी रखें। अंगूठे और अंगुलियों की सहायता से मोड़ डालते हुए ऊपर की तरफ चोटी का आकार देते हुये बन्द कर दें। सारे मोदक इसी तरह तैयार कर लें। किसी चौड़े बर्तन में 2 छोटे गिलास पानी डाल कर गरम करना रखें। जाली स्टैन्ड लगाकर चलनी में मोदक रख कर भाप में 10 – 12 मिनट पकने दीजिये। मोदक को प्लेट में निकाल कर लगाएं और गरमा–गरम परोसिए।

फ्राइड मोदक

क्या चाहिए – गेहूं का आटा 1 कप, मैदा 25 ग्राम, घी 2 टेबल स्पून, नमक 1 पिंच स्टफिंग के लिए, गुड़ 150 ग्राम, कद्दूकस किया हुआ नारियल 1 कप, बादाम 8–10, काजू 8–10, इलायची 6–7, घी मोदक तलने के लिए।

कैसे बनाएं – आटे को बर्तन में निकालिये इसमें मैदा, नमक और घी डालकर मिला लें। नरम आटा गूंथ कर तैयार कर लें व 20 मिनट ढककर रख दें। फिर काजू और बादाम छोटा–छोटा काट लीजिए और इलायची का पाउडर बना लें। पैन गरम कीजिए और 1 छोटा चम्मच घी डालकर इसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल डाल दें।

रोजगार महाकुंभ निकला छलावा : अजय राय

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान योगी सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अव्यवस्था और सरकारी लापरवाही के कारण जान गंवा रही है, जबकि सरकार आंकड़ों की बाजीगरी और झूठे प्रचार से अवास्तविक तस्वीर पेश कर पुरस्कार लेने में व्यस्त है।अजय राय ने जानकीपुरम सेक्टर–7 निवासी राजेश कौशल की मृत्यु का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मौत डायरिया से हुई, जिसका मूल कारण सीवर युक्त प्रदूषित पानी था। लेकिन सरकार ने इस सच्चाई को छुपाकर गलत कारण बताए। उन्होंने कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि राजधानी लखनऊ, जिसे स्वच्छता रैंकिंग में तीसरा स्थान मिलने का दावा किया गया, वहीं के निवासी गंदगी और दूषित पानी के कारण मर रहे हैं। दुख की बात यह है कि मृतक के परिजनों का हालचाल लेने कोई भी भाजपा नेता तक नहीं पहुंचा।प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने राजेश कौशल के घर के बाहर नाले की तस्वीरें भी मीडिया के सामने रखीं। इन तस्वीरों में यह साफ दिखाई दे रहा था कि जिस नाले से दूषित पानी बह रहा है, उसी के पास से पीने के पानी की पाइपलाइन भी घरों में जा रही है, जो जगह–जगह से लीक होकर संक्रमण फैला रही है।रोजगार के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लेते हुए अजय राय ने

कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार महाकुंभ जैसे आयोजन महज दिखावा हैं, जहां युवाओं को छला जा रहा है। इस महाकुंभ में अव्यवस्था का आलम यह रहा कि बच्चों और युवाओं के सीवी और डिग्रियां कूड़े के ढेर में पड़ी मिलीं। दूर–दराज से आए युवाओं को अपने भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी, जबकि मुख्यमंत्री अपने भाषणों में केवल जुमले ही दोहराते रहे।अजय राय ने रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी (ब्डप्म्) के अनुसार 20 से 24 वर्ष के युवाओं के बीच श्रम बल भागीदारी दर लगातार गिर रही है। इसका मतलब है कि बेरोजगारी से हताश होकर युवा अब रोजगार मांगना ही छोड़ चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (प्स्व्) की रिपोर्ट भी उत्तर प्रदेश में युवाओं के बीच बढ़ती बेरोजगारी की पुष्टि करती है।कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार न युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा पा रही है, न किसानों को खाद, न लोगों को बीमारियों से बचा पा रही है और न महिलाओं को सुरक्षा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आत्ममुग्धता में डूबे हुए हैं और उनका प्रशासन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जो भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त है।

लखनऊ में 29 अगस्त से शुरू होगा फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में फूड एंड बेकरी एक्सपो 2025 का तीसरा संस्करण 29 अगस्त से 31 अगस्त तक अवध शिल्प ग्राम में आयोजित होने जा रहा है। इस भव्य प्रदर्शनी का आयोजन एसजी फूडीज इन्फोटेक एलएलपी द्वारा किया जा रहा है, जबकि फूड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन (थ्ॅ।) इसका सहयोग कर रही है। यह आयोजन भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (डैडम्) द्वारा अनुमोदित है, जो इसे और भी महत्वपूर्ण बनाता है।तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्देश्य खाद्य एवं बेकरी क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों, स्टार्ट–अप्स और स्थापित कंपनियों को एक ऐसा साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे अपने नवीनतम उत्पाद, पैकेजिंग, तकनीक, मशीनरी और नवाचार प्रस्तुत कर सकें। एक्सपो का शुभारंभ 29 अगस्त की सुबह 11 बजे विशिष्ट अतिथियों और उद्योग जगत के दिग्गजों की मौजूदगी में होगा। आयोजक डॉ. गिरीश गुप्ता ने बताया कि यह प्रदर्शनी केवल उद्योग जगत के लिए ही नहीं, बल्कि लखनऊवासियों के लिए भी बेहद लाभकारी होगी। लखनऊ अपनी मेहमाननवाजी और खाद्य संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है और इस आयोजन से शहर की पहचान और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसमें खाद्य, बेकरी, पेय पदार्थ, पैकेजिंग और सहायक उद्योगों से देशभर के प्रमुख उद्यमी शामिल हो रहे हैं।इस आयोजन में डैडम् सेक्टर पर विशेष फोकस रहेगा ताकि छोटे उद्योगों को सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ मिल सके। इसके अलावा 30 अगस्त को शाम 7 बजे डैमसन प्लम होटल, लखनऊ में बी2बी नेटवर्किंग मीट का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

गाजीपुर पुलिस ने वाहन चोर पिटूं द्विवेदी को 3 स्कूटी के साथ किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना गाजीपुर पुलिस टीम ने दिनांक 26 अगस्त 2025 को शातिर वाहन चोर पिटूं द्विवेदी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से तीन चोरी की हुई स्कूटी बरामद हुई हैं।पुलिस ने बताया कि 25 अगस्त को वादी आदित्य शर्मा ने सूचना दी थी कि उसकी होण्डा एक्टिवा स्कूटी (न्द्32भ् ।9043) पंजाब एंड सिंध बैंक, सेक्टर 16 इंदिरानगर के पास से चोरी हो गई। सूचना के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।गाजीपुर पुलिस टीम ने बाल विहार मोड़, सेक्टर 17 के पास आरोपी पिटूं द्विवेदी (उम्र 29 वर्ष, निवासी प्राइमरी स्कूल के पास, खड़गपुर, सेक्टर 14, इंदिरानगर) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने पहले से चोरी की हुई दो और स्कूटी ओल्ड पावर हाउस और गुमटी के बीच छुपा रखी थी, जिन्हें वह अच्छे दाम पर बेचने की फिराक में था। पुलिस ने दोनों छुपाई गई स्कूटी बरामद की, जिनके नंबर न्द्41 ।ड्ड3495 और न्द्32र्क2062 हैं।गिरफ्तार किए गए पिटूं द्विवेदी के खिलाफ थाना गाजीपुर में धारा 303(2) एवं 317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है और अन्य थानों व जनपद से उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी ली जा रही है।बरामद स्कूटी में होण्डा एक्टिवा (सफेद) न्द्32भ् ।9043, होण्डा एक्टिवा (सफेद) न्द्41 ।ड्ड3495 और होण्डा एक्टिवा (मैटिलिक) न्द्32र्क2062 शामिल हैं।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 सिद्धान्त सिंह, उ0नि0 अभिषेक पाण्डेय, उ0नि0 आनन्द मिश्रा, कांस्टेबल मनीष सिंह, कांस्टेबल रविन्द्र सिंह और कांस्टेबल जगपाल शामिल थे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वाहन चोरी या संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत संबंधित थाने को दें।

मड़ियांव पुलिस ने 75 पुड़िया अवैध स्मैक के साथ शातिर तस्कर तौकीर अहमद को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना मड़ियांव पुलिस टीम ने दिनांक 27 अगस्त 2025 को एक शातिर अभियुक्त तौकीर अहमद को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से कुल 75 पुड़िया अवैध स्मैक (कुल 23 ग्राम) और एक सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई।पुलिस ने बताया कि भिठौली तिराहा पर मुखबिर की सूचना पर मड़ियांव की तरफ जा रहे आरोपी को काले रंग की सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर देखा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तौकीर अहमद पुत्र मोहम्मद अलीम, उम्र लगभग 45 वर्ष, निवासी न्यू दाउदनगर, फैजुल्लागंज थाना मड़ियांव लखनऊ बताया।अभियुक्त के खिलाफ थाना मड़ियांव में धारा 8ध्21 छक्च्ै एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही आरोपी की मोटरसाइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के आदेशों का पालन किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूरी कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।पुलिस के अनुसार आरोपी अवैध स्मैक को झुग्गी झोपड़ी में रह रहे लोगों को पुड़ियों के हिसाब से बेचता था, जिससे कम समय में अधिक मुनाफा कमाता था।

लखनऊ नगर निगम का सख्त रुख, 24 भवन सील, 11.44 लाख की वसूली

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ ने संपत्ति कर न चुकाने वाले बड़े बकायेदारों के खिलाफ मंगलवार को सख्त कार्रवाई की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर निगम की टीमें अलग–अलग जोनों में उतरीं और सघन अभियान चलाकर मौके पर ही कई बकायेदारों को बकाया जमा करने पर मजबूर किया। इस दौरान कुल ग्यारह लाख 44 हजार 715 रुपये की वसूली की गई, जबकि चेतावनी और नोटिस के बावजूद कर न जमा करने वाले 24 भवनों को सील कर दिया गया।अभियान के तहत जोन–1 क्षेत्र में अवेज खान, मालती पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, गोल्ड ऑफसेट प्रिंटर्स तथा ए.के.जी. कन्सलटेन्ट्स लिमिटेड (नर्सिंग होम) के भवन सील किए गए। जोन–2 में ममता अग्रवाल और अजय चन्द्र अग्रवाल ने मौके पर तीस–तीस हजार रुपये जमा किए, जबकि महमूद आलम का भवन सील कर दिया गया। जोन–3 क्षेत्र में बड़े लाल शर्मा और दिलीप कुमार ने क्रमशः तीस और पच्चीस हजार रुपये चुकाए, वहीं केदारनाथ अग्रवाल, गोल्डन प्लाजा, रचना गुप्ता, अशोक और जहीरउद्दीन के भवन सील कर दिए गए। जोन–4 में रुखसाना मकसूद, सरोजनी वर्मा, रजनी बाला, आरती शुक्ला और राधा यादव से बड़ी रकम वसूली गई, जबकि विभूति खंड निवासी इन्द्र पाल खुराना का भवन सील कर दिया गया।जोन–5 क्षेत्र में यशपाल मेहरा, मधु अरोड़ा, ओमप्रकाश और आदित्य–तेजस प्रकाश ने कर जमा किया, जबकि सीमा सिंह का भवन सील कर दिया गया। जोन–6 में अयोध्या, ओमप्रकाश गुप्ता समेत कई बकायेदारों ने रकम चुकाई, वहीं सुखराम, सीतामनी, इस्माईल, मतीन, हरि कृष्ण यादव, मनोहर लाल रावत और राम नरेश के भवन सील कर दिए गए। जोन–7 में हाजी इदरीश, मो. अकील, मो. इकबाल, इस्लाह कॉम्पलेक्स और धमेन्द्र कुमार चौहान ने कर जमा किया, जबकि रजिया का भवन सील कर दिया गया।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि नगर निगम बकायेदारों के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि 31 अगस्त तक एकमुश्त यूजर चार्ज जमा करने पर गृहकर में 10 प्रतिशत तथा व्यावसायिक भवन स्वामियों को 5 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छूट की अवधि समाप्त होने के बाद और कड़े कदम उठाए जाएंगे, इसलिए सभी लोग समय पर कर जमा कर नगर निगम के प्रयासों में सहयोग करें।

गणेशोत्सव पर यातायात डायवर्जन व्यवस्था लागू

लखनऊ, (संवाददाता)। शुरू हुए 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व के मद्देनजर राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था बदली गई है। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना और विभिन्न आयोजनों को देखते हुए पुलिस ने डायवर्जन लागू किया है, जो 27 अगस्त को सुबह 10 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा।अयोध्या मार्ग व गोमतीनगर की ओर से कैसरबाग आने वाली रोडवेजधसिटी बसों को कमता तिराहा, इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, समतामूलक चौराहा, 1090 चौराहा, पीएनटी बालू अड्डा, संकल्प वाटिका तिराहा, चिरैयाझील तिराहा, क्लार्क अवध तिराहा और सीडीआरआई होते हुए कैसरबाग बस अड्डे तक भेजा जाएगा। इसी तरह सीतापुर रोड से कैसरबाग आने वाली बसें मड़ियांव, पुरनिया, डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग, पक्का पुल, शाहमीना, डालीगंज पुल और सीडीआरआई होते हुए कैसरबाग पहुंचेंगी।चौक और डालीगंज पुल से आने वाला यातायात क्लार्क अवध तिराहा से सीधे सुभाष चौराहा नहीं जा सकेगा, बल्कि इसे चिरैयाझील तिराहा से होकर भेजा जाएगा। इसी तरह इक्का–टांगा स्टैंड से आने वाले वाहन नदवा कॉलेज की ओर न जाकर डालीगंज रेलवे क्रॉसिंग और आईटी चौराहा से होकर निकलेंगे।निरालानगर से आने वाले वाहन आईटी चौराहा से विश्वविद्यालय मार्ग होते हुए सुभाष चौराहा नहीं जाएंगे, बल्कि इन्हें समथर पेट्रोल पंप होते हुए निशातगंज और डालीगंज पुल की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं कैसरबाग और सीडीआरआई की ओर से सुभाष चौराहा जाने वाले वाहन कृष्णा मेडिकल सेंटर होकर चिरैयाझील तिराहा भेजे जाएंगे।हजरतगंज और परिवर्तन चौक से आने वाला यातायात सुभाष चौराहा से हनुमान सेतु की ओर नहीं जा सकेगा। इन वाहनों को मकबरा रोड, टेलीफोन एक्सचेंज, सीडीआरआई तिराहा और चिरैयाझील तिराहा की ओर डायवर्ट किया गया है। इसी तरह हनुमान सेतु और नदवा बंधा तिराहा से झूलेलाल पार्क जाने वाले वाहनों को आईटी चौराहा की ओर मोड़ा जाएगा।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आम यातायात के लिए लागू इन प्रतिबंधों से चिकित्सकीय आपात स्थिति वाले वाहनोंकृजैसे एम्बुलेंस, शव वाहन, फायर सर्विस और स्कूली वाहनकृको आवश्यकता पड़ने पर प्रतिबंधित मार्गों से भी ले जाया जाएगा। इसके लिए लोग ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ऊर्जा विभाग में शिकायत निस्तारण की समीक्षा बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में राजधानी स्थित संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की विद्युत आपूर्ति और जनसामान्य से प्राप्त सभी शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान ही विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।बैठक में सभी विद्युत वितरण निगम के एमडी और केस्को डायरेक्टर ने क्षेत्रवार ऑनलाइन शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। मंत्री शर्मा ने शिकायतों के समाधान की वस्तुस्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि बिना वास्तविक समाधान किए हुए शिकायतों को निस्तारित दिखाना जनता के साथ अन्याय है और ऐसी लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी एमडी को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत की क्रॉस चेकिंग करवाई जाए और शिकायतकर्ता से संवाद कर वास्तविक समाधान की पुष्टि की जाए।ऊर्जा मंत्री ने यह भी कहा कि विभाग की साख और जनता का विश्वास तभी मजबूत होगा जब उपभोक्ता स्वयं यह अनुभव करें कि उनकी समस्या का समाधान वास्तविक और संतोषजनक हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय पर जवाब न देने या ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। जनता के फोन कॉल्स और शिकायतों पर तुरंत रिस्पांस देने तथा किसी भी स्तर पर उपेक्षा न करने पर भी जोर दिया गया।बैठक में मंत्री ने हाईवे पर हो रही विद्युत चोरी पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यह विभाग को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने के साथ–साथ विद्युत व्यवस्था की गुणवत्ता और निरंतरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

डॉ. सम्पूर्णानन्द कारागार प्रशिक्षण संस्थान में दीक्षांत परेड

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. सम्पूर्णानन्द कारागार प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ में आयोजित दीक्षांत परेड में कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने प्रशिक्षु अधिकारियों और जेल वार्डरों को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि यह एक नई यात्रा, नई जिम्मेदारी और नए संकल्प की शुरुआत है। मंत्री ने कहा कि कारागार सेवा को केवल नौकरी नहीं बल्कि पवित्र दायित्व के रूप में समझते हुए ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और मानवता के साथ कार्य करना होगा।मंत्री श्री चौहान ने कहा कि 1940 में स्थापित यह संस्थान एशिया का पहला जेल प्रशिक्षण संस्थान है, जिसने अब तक 1,719 अधिकारियों और 13,277 जेल वार्डरों को प्रशिक्षित किया है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के साथ–साथ नेपाल, तंजानिया और सूडान के कारागार कर्मियों ने भी यहां प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जो इसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रमाण है।दीक्षांत परेड में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 131 प्रशिक्षु शामिल हुए। इनमें उत्तर प्रदेश के आठ डिप्टी जेलर, छत्तीसगढ़ के तीन जेल अधीक्षक, छह सहायक जेल अधीक्षक (120वाँ सत्र) और 114 प्रशिक्षु जेल वार्डर (177वाँ सत्र) सम्मिलित थे।कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने प्रशिक्षुओं के अनुशासन और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से छत्तीसगढ़ की।

नौकरी पाने नहीं, देने की सोच विकसित करें युवा - कुलपति

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ में नए शैक्षणिक सत्र 2025–26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए छात्र कल्याण अधिष्ठाता टीम की ओर से 'इंटरेक्शन सह इंडक्शन प्रोग्राम दृ दीक्षारंभ 2025' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के कुलपति प्रो. जे.पी. पाण्डेय मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के ट्रस्टी प्रो. पी. कंगासाबापति, डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार तथा डिप्टी डीएसडब्ल्यू प्रो.

तरूणा मंच पर उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों का स्वागत पौधा और शॉल भेंटकर किया गया। मंच संचालन का कार्य डॉ. तरूणा ने किया।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय का सदुपयोग कर जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास प्रत्येक युवा की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज युवाओं को नौकरी पाने की बजाय नौकरी देने की सोच विकसित करनी होगी, क्योंकि नौकरियां सीमित हैं जबकि उद्यमिता की संभावनाएँ असीमित हैं। उन्होंने भारत के पास मौजूद 125 से अधिक यूनिकॉर्न कंपनियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश में ऑर्गेनिक उद्यमिता के तेजी से विस्तार का प्रमाण है। प्रो. मित्तल ने पर्यावरण संरक्षण, समावेशी विकास और शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए पंचकोश दृ अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय कोश दृ के संतुलन को वास्तविक शिक्षा और समग्र विकास का आधार बताया।मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का नहीं बल्कि प्रेरणा का केंद्र है। संघर्ष और चुनौतियाँ ही व्यक्ति को महान बनाती हैं। बताते हुए विद्यार्थियों से कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने की क्षमता विकसित करनी होगी। प्रो. पाण्डेय ने कहा कि भारत को विश्व की प्रथम अर्थव्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है और आत्मबल व सामूहिक प्रयास ही देश को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाएंगे।प्रो. पी. कंगासाबापति ने भारत के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का वास्तविक आधार है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उद्यमिता समाज की जरूरतों के समाधान प्रस्तुत कर रही है और यही भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।प्रो. एस. विक्टर बाबू ने विचार की शक्ति पर बल देते हुए कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मानव सभ्यता के विकास की रीढ़ हैं। विचार और विज्ञान का संगम समाज को नई दिशा दे सकता है और युवा पीढ़ी नवाचारपूर्ण सोच के माध्यम से राष्ट्र का भविष्य सुनहरा बना सकती है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक संरचना, योजनाओं, पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला सुविधाओं, अनुसंधान के अवसरों और पाठ्येतर गतिविधियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें जीवन प्रबंधन, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण, टीम वर्क और नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम के अंत में डॉ. तरूणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, गैर–शिक्षण कर्मचारी और बड़ी संख्या में नवप्रवेशित विद्यार्थी मौजूद रहे।

नगर निगम कर्मचारियों की मांगों पर सक्रिय हुआ प्रशासन

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ के कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों के समाधान के लिए निगम प्रशासन ने सकारात्मक पहल की है। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर बुधवार को अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह की अध्यक्षता में समिति कक्ष में नगर निगम से जुड़े तीन प्रमुख कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में नगर निगम जलकल कर्मचारी संघ लखनऊ, नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ और उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, महामंत्री और उपाध्यक्ष स्तर के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान संगठनों द्वारा पूर्व में सौंपे गए मांग पत्रों पर विस्तार से चर्चा हुई, जिनमें कर्मचारियों की सेवा शर्तों, कार्य–स्थितियों और सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुख थे।

टैरिफ नीति से तबाह हो रहे यूपी के उद्योग, लाखों लोगों की आजीविका पर संकट – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की विफल नीतियों और प्रतिशोधात्मक टैरिफ की वजह से उत्तर प्रदेश का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसका खामियाजा न केवल निर्यातक बल्कि उन पर आधारित पैकिंग, ट्रांसपोर्ट, शिल्प व हस्तशिल्प उद्योग तथा कामगार और उनके परिवार भुगत रहे हैं।अखिलेश यादव ने निर्यातकों को संबोधित एक पत्र में कहा कि प्रदेश के निर्यातक तबाही के कगार पर हैं।

एक्सपोर्ट का पेमेंट साइकल बिगड़ चुका है और सप्लायर्स व वेंडर्स अलग से परेशान हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार ओडीओपी के तहत आने वाले उत्पादों को विशेष राहत दे और अन्य निर्यातक उत्पादों को भी सुरक्षा कवच प्रदान करे, ताकि वे विदेशी पाबंदियों से अपने को बचा सकें।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाए तो लाखों निर्यातकों का कारोबार ठप हो जाएगा और करोड़ों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। इससे प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या और भी विकराल रूप धारण कर लेगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार कठिन समय में उद्योगों को सहायता और संरक्षण नहीं दे सकती तो उसके अस्तित्व का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।अखिलेश यादव ने निर्यातकों से आह्वान किया कि यह समय हर भेदभाव को भुलाकर एकजुट होने और भाजपा सरकार के सामने अपनी मांगें मजबूती से रखने का है। उन्होंने कहा कि यह केवल कारोबार का नहीं बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका और निवेश के भविष्य का सवाल है।सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में बनारसी साड़ी, कार्पेट, पीतल, ताला–हार्डवेयर, चमड़ा, इत्र, स्पोर्ट्स, फूड व प्रोसेस्ड प्रॉडक्ट्स, स्टोन–मार्बल, रेडीमेड गारमेंट्स, चिकनकारी, फर्नीचर, बांस, टेराकोटा, जूट, इंजीनियरिंग, मेटल क्राफ्ट सहित हस्तशिल्प व हैंडलूम उद्योगों के अरबों–खरबों रुपये के उत्पाद जहाजों में अटके पड़े हैं।उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने से अकेले उत्तर प्रदेश के 500 उद्योग बंद होने की कगार पर हैं और लाखों श्रमिकों की रोजी–रोटी पर संकट मंडरा रहा है। पूरे देश में उद्योगों और रोजगार पर इसका प्रभाव और भी भयावह होगा।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की विफल विदेश नीति ने यह हालात पैदा किए हैं। सत्ता से भाजपा जाएगी तभी प्रदेश और देश में खुशहाली लौटेगी।

उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और स्वच्छ ऊर्जा के लिए 'देवी' कार्यक्रम का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प तथा 'अंत्योदय' की प्रेरणा को आगे बढ़ाते हुए सरकार ग्रामीण क्षेत्र की निर्धन महिलाओं को संगठित, सशक्त और स्वावलंबी बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। इसी कड़ी में होटल ताज, लखनऊ में आयोजित विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा अंतर्गत 'देवी' कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा का मजबूत इकोसिस्टम तैयार करेगा और महिलाओं की भागीदारी से स्वच्छ ऊर्जा और उद्यमिता के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीआरई संवाद कोई साधारण सम्मेलन नहीं बल्कि महिलाओं को ऊर्जा की।

महिला एसओ ने बिना कागजात वाहन चालकों पर कसा शिकंजा

अयोध्या। गणेश पूजा व अन्य पर्व के मद्देनजर एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी व एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के देखरेख मे तथा सभी सीओ के नेतृत्व मे सभी थानाध्यक्ष अपने अपने क्षेत्रों मे पैदल गस्त कर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।इसी अभियान के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ बुधवार की शाम शहर के प्रमुख बाजारो,चौराहों व मार्गों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया।इस दौरान उन्होंने बिना लाइसेंस, बीमा, पंजीकरण के अलावा अन्य वाहनों से संबंधित कागजात के अभाव में वाहन चलाते पाए जाने वाले कई वाहनों का चालान किया।वहीं कुछ वाहन चालकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया।इसके अलावा उन्होंने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा के साथ शहर के चौक, रिकाबगंज, फतेहगंज, सिविल लाइन सहित प्रमुख चौराहों व मार्गो पर पैदल गस्त किया।मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओं व बालिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे मे बताया।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बालिकाओं को 1090 – महिला पावर लाइन (महिलाओं के लिए हेल्पलाइन),181 – महिला हेल्पलाइन (महिलाओं के लिए आपातकालीन सहायता),112 – आपातकालीन सेवा (पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए),1076 – सीएम हेल्पलाइन (मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए शिकायतें और सुझाव) 1930 – साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन (साइबर अपराधों के लिए सहायता) जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में जानकारी दिया।इस मौके पर उनके अलावा उप निरीक्षक सोनी, प्रिया, चेतना सहित महिला आरक्षी मौजूद रही।

आरटीआई की सूचना न मिलने पर सभासदों ने नगर पंचायत कार्यालय पर किया प्रदर्शन, लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले के नगर पंचायत कजगांव से आरटीआई की सूचना न मिलने को लेकर सभासदों ने बुधवार को उक्त नगर पंचायत कार्यालय पर जमकर प्रदर्शन किया। सभासदों ने आरोप लगाते हुए कहा कि नगर पंचायत कचगांव में तमाम कार्यों की जानकारी करने के लिए आरटीआई के तहत सूचना मांगी गयी थी। अधिशासी अधिकारी ने पत्र देकर हमलोगों को कार्यालय में बुलाया गया था। जब बुधवार को हम सभासद जब अधिशासी अधिकारी से सूचना प्राप्त करने के लिए कार्यालय पहुंचे तो कार्यालय में अधिशासी अधिकारी उपस्थित नहीं थी। सभासदों ने कहा कि जब हम लोग अधिशासी अधिकारी के बारे में कार्यालय के बाबू जानकारी मांगी तो उन्होंने कोई जानकारी नही दी। इसी बात से नाराज सभासदों ने कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन करते हुए कहा कि नगर पंचायत में मनमानी ढ़ंग से कार्य कराये जाने के कारण हम लोगों द्वारा जन सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गयी सूचना नहीं देना चाहते है, सिर्फ हमलोगों को परेशान करने के लिए कार्यालय का चक्कर लगवाया जा रहा है। सभासदों ने आरोप लगाया कि जब सरकार के द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत आम जनमानस को यह अधिकार देता है कि किसी भी विकास कार्य में अगर सरकारी धन का उपयोग किया गया है तो आम जनमानस आईटीआई अधिनियम के तमाम जानकारी मांग सकता है। उसी अधिनियम के तहत

नगर पंचायत कजगांव में कराये गये कार्यों की जानकारी के लिए सूचना मांगे गई थी, जसकी सूचना नहीं दिया गया। सूचना देने के लिए कार्यालय पर हम लोगों को पत्र लिखकर बुलाया गया था। कार्यालय जाने के बाद न सूचना की जानकारी दिया गया और न ही अधिशासी अधिकारी मौजूद रहीं। सभासदों ने गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि आरटीआई अधिनियम कानून की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

राम जन्मभूमि सुरक्षा में तैनात पीएसी जवान की मौत

अयोध्या। गुरुवार की सुबह राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा में तैनात पीएसी जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।बताते चले कि गोरखपुर जिले के बांस गांव थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी 53 वर्षीय राम हर्ष यादव 30वीं बटालियन पीएसी गोंडा में तैनात थे। जो इस समय राम जन्मभूमि सुरक्षा में तैनात थे।इस संबंध मे एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मौत का कारण हार्ट अटैक प्रतीत हो रहा है हालांकि सही कारण की पुष्टि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।जवान के परिजनों को सूचना दे दी गई थी। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा ड्यूटी के दौरान हुई इस अचानक घटना से सुरक्षा बलों और प्रशासन में शोक की लहर दिखी।

परिषदीय स्कूलों में 437 स्मार्ट क्लास व 72 आईसीटी लैब स्थापित होने से छात्रों की प्रतिभा में आने लगा निखार बीएसए

(राजेश श्रीवास्तव)

अयोध्या। अयोध्या जिले के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की प्रतिभा को निखारने और आधुनिक शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए 437 स्मार्ट क्लास और 72 आईसीटी लैब की स्थापना की गई है।जो सभी विकास खंडों में लागू की गई है,जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी डिजिटल शिक्षा का लाभ मिल रहा है।इस संबंध मे बीएसए अवनीश कुमार पाण्डेय ने बताया कि जिले में स्थापित 437 स्मार्ट क्लास में बड़ी एलईडी स्क्रीनों के माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था की गई है।जिससे बच्चों को ऑडियो–विजुअल माध्यम से शिक्षा मिल रही है।बताया कि एक स्मार्ट क्लास की स्थापना पर ढाई से तीन लाख रुपये की लागत आई आ रही है।वहीं, 72 आईसीटी लैब में पांच–पांच कंप्यूटर उपलब्ध हैं, जिनकी स्थापना लागत पांच से छह लाख रुपये प्रति लैब रही है।इन लैबों में बच्चों को कंप्यूटर और डिजिटल तकनीक से संबंधित शिक्षा दी जा रही है, जिससे वे आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सके।बताया कि यह योजना 2024 में अयोध्या जिले में 225 स्मार्ट क्लास और 12 आईसीटी लैब स्थापित किए गए थे।इस वर्ष 2025 में इस दिशा में और तेजी लाते हुए 212 नई स्मार्ट क्लास और 60 अतिरिक्त आईसीटी लैब की स्थापना की गई है।जिले के सभी विकास खंडों, जैसे रुदौली, मसौधा, और मया, में इन सुविधाओं का विस्तार किया गया है।विशेष रूप से रुदौली के कंपोजिट विद्यालय करीमपुर, शुक्लापुर, मया के जरही, और मसौधा के बिट्ठलपुर जैसे विद्यालयों में इन सुविधाओं का लाभ बच्चों को मिल रहा है।बताया कि यह प्रयास न केवल शिक्षा की गुणवत्ता, तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए भी है।स्मार्ट क्लास के माध्यम से शिक्षक अब पारंपरिक ब्लैकबोर्ड शिक्षण के साथ–साथ डिजिटल सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। इससे बच्चों का रुझान पढ़ाई की ओर बढ़ा है, और जटिल अवधारणाओं को समझना उनके लिए आसान हो गया है। आईसीटी लैब में कंप्यूटर प्रशिक्षण के साथ–साथ इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों का उपयोग सिखाया जा रहा है, जो भविष्य में बच्चों के करियर निर्माण में सहायक होगा।बताया कि सरकार की इस पहल ने अयोध्या के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा के क्षेत्र में एक नया युग शुरू किया है। 437 स्मार्ट क्लास और 72 आईसीटी लैब की स्थापना से जिले के हजारों बच्चे डिजिटल शिक्षा का लाभ उठा रहे है।यह प्रयास न केवल शिक्षा को आधुनिक बना रहा है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

करंट से 3 लोगों की मौत में विद्युत विभाग और नगर पालिका के अवर अभियंता दोषी, निलंबन के कार्रवाई की संस्तुति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के मछलीशहर पड़ाव में सोमवार शाम को तेज बारिश के दौरान विद्युत पोल में करंट उतरने से तीन लोगों की मौत हो गई। दो लोग नाले में बह गए, जबकि एक ऑटो चालक ने सीवर के बाहर दम तोड़ दिया। जिलाधिकारी ने हादसे की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया। बुधवार शाम को सौंपी गई जांच रिपोर्ट में विद्युत विभाग और नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता की लापरवाही सामने आई है। एक व्यक्ति का शव तुरंत मौके पर मिला। दो शवों को मंगलवार शाम को नगर पालिका परिषद, पुलिस प्रशासन और एसडीआरएफ की मदद से बरामद किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण करंट लगना बताया गया है। जांच के लिए एसपी सिटी, सीआरओ और विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता की त्रिस्तरीय समिति बनाई गई। दोषी पाए गए अधिकारियों के निलंबन के लिए जिलाधिकारी पत्र लिख रहे हैं। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवारों को 24 घंटे के अंदर प्रति व्यक्ति साढ़े सात लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

59 बेटियों ने मुख्य सेविका के पद पर चयनित होकर जनपद का गौरव बढाया हैं - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,28 अगस्त ।उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत प्रदेश में 2425 मुख्य सेविकाओं एवं 12 फार्मासिस्टों के नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित किया गया। इसी क्रम में बुधवार को जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के सजीव प्रसारण को विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिन्सु जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य अधिकारीगण तथा नवचयनित युवाओं की उपस्थिति में देखा गया और मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन को सुना गया। इस मौके पर विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। निश्चित रूप से अभ्यर्थियों के प्रतिभा का सम्मान हुआ है। उन्होंने सभी नवचयनितों से कहा कि बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग में कार्य करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रखने वाले बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह ने कहा कि शासन के द्वारा जिस विश्वास के साथ आपको मुख्य सेविका के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है, आप सभी इमानदारी से कार्य करते हुए अपना शत प्रतिशत दे। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के अथक प्रयास से मिशन रोजगार' के तहत युवाओं को नौकरी देने की दिशा में लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने कहा कि जनपद का सौभाग्य है कि आज कुल 59 बेटियों ने मुख्य सेविका के पद पर चयनित होकर जनपद का गौरव बढ़ाया हैं। मुख्यमंत्री जी के आशीर्वचन को अपने जीवन का हिस्सा बनाए। जिलाधिकारी ने नव चयनित मुख्य सेविकाओं को कहा कि बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है, आप सभी लोगों को इस विभाग में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है, सभी लोग अपने कर्तव्य एवं दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। जनपद में मुख्य सेविका के पद पर चयनित अंकिता यादव ने कहा कि मुख्य सेविका के पद चयनित होकर गौरवान्वित महसूस कर रही है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में कार्य करके लोगों से संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा। लोगो की समस्याओं को दूर करते हुए उनके जीवन को और अच्छा बनाने का प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

परमिट से निस्तारण हेतु 9 सितंबर तक कार्यालय मे करे आवेदन

अयोध्या।संभागीय परिवहन अयोध्या की बैठक अगले माह 16 सितम्बर को आयुक्त के कार्यालय सभागार में सम्पन्न होंगी।इस संबंध मे जानकारी देते हुए एआरटीओ प्रशासनधर्मवर्तन डाक्टर आर पी सिंह ने बताया कि बैठक में स्टेज कैरिज परमिट की स्वीकृति, धारा 86 के अंतर्गत कार्यवाही कॉमन कैरियर लाइसेंस व अन्य प्राप्त मामलों पर विचार किया जायेगा।इच्छुक आवेदक परमिट से संबंधित प्रकरणों में 09 सितम्बर तक आरटीओ कार्यालय ट्रांसपोर्ट नगर अयोध्या में आवेदन कर सकते है। ताकि प्रकरण को बैठक में प्रस्तुत किया जा सकें।उक्त प्रकरणों से सम्बंधित वाहन स्वामी व आवेदक दिनांक 16 सितम्बर को नियत समय व स्थान पर उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

पंडाल पर सीसीटीवी नहीं तो तेजी से नहीं बजेगा डीजे – आशुतोष तिवारी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। इस बार गणेश चतुर्थी पर्व पर जिन पंडालों पर अगर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं तो वहां पर तीव्र ध्वनि मे डीजे बजना नामुमकिन होगा।क्यों कि सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर सर्किल क्षेत्र के कोतवाली अयोध्या, थाना राम जन्मभूमि व पूरा कलंदर थानों पर मूर्ति स्थापित पंडालों पर लगातार भ्रमण कर रहे हैं।भ्रमण के साथ ही सख्त हिदायत भी दे रहे हैं कि जिन पंडालों में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं वहां पर किसी प्रकार तेज ध्वनि यंत्र (डीजे) नहीं बजाया जाएगा।जिसको लेकर सप्ताह भर पूर्व से ही सर्किल से सभी थाना क्षेत्रों में मूर्ति स्थापित करने वाले पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनको पहले से ही अवगत करवा दिया है।और अब चिन्हित स्थानों पर जाकर सीसीटीवी कैमरे की जांच भी कर रहे हैं।नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा के जिवपुर मोहल्ले में स्थापित हुई गणेश प्रतिमा के पंडाल पर पहुंच कर सीसीटीवी कैमरे को चेक किया।यह गणेश प्रतिमा अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर भरतकुंड के जिवपुर चोराहे के पास बैठी है। कमेंट के पदाधिकारी सोमनाथ बाबा और अमित सिंह तथा विमल दूबे के इस गणेश प्रतिमा को लगातार कई वर्षों से स्थापित किया जाता है। जहां पर सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी और थाना प्रभारी पूराकलंदर देवेंद्र सिंह चौकी प्रभारी भदरसा कमलेश साहनी ने पहुंच कर देखा कि सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं।

शांति का विचार फैलाने जायेगा भारतीय शांति दल : रमेश भइया

हरदोई / शाहजहांपुर (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज गुरुवार को एक वर्ष की मौन साधना स्थली पर मौन मुक्त समय पर शांति अहिंसा ग्रामस्वराज सत्य प्रेम करुणा की अलख जगाने गांधी विनोबा विचार की वाहक संस्थाओं का शांति दल जापान कोरिया जाने वाला है। उस पर चर्चा करते हुए रमेश भइया ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि दुनिया में बढ़ रहे युद्ध, उन्माद, और हिंसा के बीच दक्षिणी कोरिया के इंचियोन शहर में एक अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन प्रतिष्ठान, डॉक्टर शिखा सान्याल, अध्यक्ष बंगाल हरिजन सेवक संघ, श्रीमती प्रेरणा देसाई , राष्ट्रीय युवा संगठन, पी मारुति अध्यक्ष ठक्कर बापा संस्थान चेन्नई, तमिलनाडु और संजय राय सचिव हरिजन सेवक संघ एवं ट्रस्टी राष्ट्रीय युवा योजना दिल्ली शामिल हैं। कोरिया की तरफ से प्रसिद्ध शांति कर्मी श्री पानी इस आयोजन के प्रमुख सूत्रधार हैं। तीन दिवसीय शांति सम्मेलन में कोरिया के सभी प्रमुख शांतिकर्मी और बुद्धिजीवी भाग ले रहे हैं। जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के

का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन गांधी जी द्वारा निर्मित संस्था भारत हरिजन सेवक संघ और वॉइस ऑफ पीस , इंचियोन कल्चरल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है ।जिसमें देश के प्रतिष्ठित एवं वरिष्ठ गांधीवादी संघ के अध्यक्ष प्रो. डॉ. शंकर कुमार सान्याल के नेतृत्व में आठ सदस्यीय टीम कोरिया और जापान की 11 दिवसीय शांति सद्भावना यात्रा पर दिनांक 3 सितंबर को दिल्ली से रवाना शांति दल के प्रवक्ता संजय राय ने जानकारी दी कि हरिजन सेवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर शंकर कुमार सान्याल के नेतृत्व में भारत से 8 सदस्य जिनमें प्रमुख रूप से तुषार गांधी, प्रपौत्र राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, कुमार प्रशांत, अध्यक्ष, गांधी शांति प्रोफेसर और संस्थाओं के शांतिप्रमुख भी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य दुनिया भर में शांति और सद्भाव का विस्तार हो और यह बा बापू बाबा के विचारों के जीवन मूल्यों के अनुरूप समाज निर्मित हो।सम्मेलन में बापू के ग्रामस्वराज, लोकतांत्रिक मूल्यों, शांति व अहिंसा के प्रयोग को वहां के जन समुदाय में कैसे विस्तारित किया जाए। इस पर चर्चा कर पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा। सम्मेलन में इंचियोन इबो के प्रेसिडेंट पार्क ह्यू सूं, इंचियोन के मेयर थीं जियांग बूक, मेंबर ऑफ पार्लियामेंट किम क्योंग ह्यंग जैसे प्रमुख लोगों के भाग लेने की संभावना है। इस सम्मेलन का उद्घाटन भाषण प्रोफेसर डॉक्टर शंकर कुमार सान्याल राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिजन सेवक संघ देंगे। यह हम सब साथियों के लिए और विनोबा विचार प्रवाह परिवार के लिए गौरव की बात है।इस अवसर पर शहर के केंद्र में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा।ज्ञात हो कि पूर्व में प्रोफेसर डॉक्टर शंकर कुमार सान्याल के नेतृत्व में विश्व धर्म संसद शिकागो अमेरिका में 2015 में एक दल प्रतिभाग कर चुका है। सन 2023 में बांग्लादेश के शांति सद्भावना हेतु एक विस्तृत बड़ा दल बांग्लादेश के मिशन पर जा चुका है ।आशा है कि इस शांति सम्मेलन से न केवल दोनों कोरिया देशो के बीच बल्कि दुनिया भर में गांधी विचार के अनुरुप शांति सद्भावना के मिशन को नई ताकत मिलेगी। कोरिया के बाद, शांति मिशन के ज्यादातर सदस्य जापान में शांति मिशन पर होंगे। जहां पर वह हिरोशिमा और नागासाकी में, जो हिंसा और शस्त्र के विध्वंस का प्रतीक स्थल है, वहां शांति और सद्भावना प्रार्थना और सम्मेलन में भाग लेंगे। यह दल माउंट फूजी ,जहां दुनिया भर में ६ मे पीस प्रेवल ऑन अर्थ॰ का वैश्विक अभियान चलाया जा रहा है ,वहां के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। साथ ही साथ शांति प्रार्थना और सम्मेलनों का हिस्सा बनेंगे। इस 11 दिवसीय मिशन से बापू के विचारों को दुनिया भर में फैलने का जो संकल्प है वो विस्तार पाएगा । वहां के कई विश्वविद्यालय के साथ हरिजन सेवक संघ ,गांधी आश्रम के साथ मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग भी किए जाएंगे।साबरमती गांधी आश्रम अहमदाबाद के ज्येष्ठ साथी जयेश भाई पटेल विनोबा सेवा आश्रम की संरक्षक विमला बहन संयोजक नंदिनी प्राची बहन, धुलिया के समाजसेवी कृष्णा मकुर सिरसठ, पवनार के डा. अशोक हिवरे सदगुरु मंडल अमरावती की कविता येणूरकर विसर्जन आश्रम इंदौर की श्वेता गुप्ता अहिंसा प्रतिष्ठान की प्रमुख सीना शर्मा ने शांति दल को अपनी शुभकामनाएं दीं।

ट्रक और रोडवेज बस की आमने-सामने टक्कर, बस चालक गंभीर रूप से घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,28 अगस्त । सरपतहां थाना क्षेत्र के जहारुद्दीनपुर गांव में बलिया–लखनऊ राजमार्ग पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार ट्रक और रोडवेज बस की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रोडवेज बस का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका पैर टूट गया। घायल चालक को तत्काल इलाज के लिए शाहगंज सीएचसी में भर्ती कराया गया है।बस चालक प्रेम नारायण पांडेय गांव बराछा सदर कोतवाली प्रतापगढ़ का रहने वाला है जब कि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, ट्रक सुल्तानपुर की ओर से आ रहा था, जबकि रोडवेज बस शाहगंज की तरफ से। दोनों वाहन जब पास ले रहे थे, तभी आपस में भिड़ गए। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक मकान के बरामदे तक जा पहुंचा। सौभाग्य से इस घटना में घर के किसी सदस्य को कोई नुकसान नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलते ही सराय मोहिउद्दीनपुर चौकी प्रभारी अरविंद यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।चौकी प्रभारी ने बताया घटना में किसी तरीके की जनहानि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

नाले में गिरने और करंट लगने से तीन बच्चों की मौत, प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 28 अगस्त ,नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के मछली शहर पड़ाव पर हुई एक दुःखद घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया है। नाले में गिरने और बिजली के करंट की चपेट में आने से तीन मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने न केवल शोक की लहर फैला दी है, बल्कि नगरपालिका, जिला प्रशासन और बिजली विभाग की घोर लापरवाही को भी उजागर किया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह दुर्घटना सिर्फ एक हादसा नहीं है, बल्कि संबंधित विभागों की अनदेखी का नतीजा है। यदि नाले की उचित साफ–सफाई और रखरखाव किया गया होता और बिजली के खुले तारों को सुरक्षित किया गया होता तो इन तीन जिंदगियों को बचाया जा सकता था। इस दुखद घटना के बाद, 'धर्म रक्षा आंदोलन' के संयोजक चन्द्रमणि पाण्डेय ने मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को एक पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारी कोई संवेदनशीलता नहीं दिखा रहे हैं और जांच की जिम्मेदारी भी उन्हीं अधिकारियों को सौंपी गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।